भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1846

जिसका उत्तर 11 फरवरी, 2026 को दिया जाना है ।

22 माघ, 1947 (शक)

उत्तर प्रदेश में ईसीएमएस के अंतर्गत परियोजनाएं

1846. एडवोकेट प्रिया सरोजः
श्री पुष्पेंद्र सरोजः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के अंतर्गत इस योजना की शुरुआत से लेकर अब तक उत्तर प्रदेश में स्थित परियोजनाओं के लिए ट्रैंच-वार कितने प्रस्ताव प्राप्त, अनुमोदित और अस्वीकृत किए गए हैं;
(ख) उक्त राज्य में अनुमोदित ईसीएमएस परियोजनाओं के वितरण का घटक-श्रेणी-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) ऐसी परियोजनाओं के लिए कुल कितना निवेश प्रतिबद्ध है, कितने प्रोत्साहन अनुमोदित किए गए हैं और कितने प्रोत्साहन संवितरित किए गए हैं और जिला-वार कितने रोजगार सृजन की प्रतिबद्धता है और कितना रोजगार प्राप्त किया गया है;
(घ) कितने प्रस्तावों को अस्वीकृत या लंबित रखा गया है और स्थानीयकरण की सीमा, प्रौद्योगिकी तत्परता या वित्तीय व्यवहार्यता सहित प्रमुख दर्ज किए गए कारण क्या हैं; और
(ङ) सरकार द्वारा ईसीएमएस आधारित इलेक्ट्रॉनिक्स घटक समूहों को बढ़ावा देने और उत्तर प्रदेश के विनिर्माताओं की भागीदारी में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ङ): माननीय प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत का लक्ष्य इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए संपूर्ण विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। पिछले 11 वर्षों में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का काफी विस्तार हुआ है। इसे निम्नलिखित आँकड़ों से देखा जा सकता है:

#	2014-15	2024-25	टिप्पणियां
इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का उत्पादन (रु.)	~1.9 लाख करोड़	~11.3 लाख करोड़	6 गुना बढ़ा
इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का निर्यात (रु.)	~0.38 लाख करोड़	~3.3 लाख करोड़	8 गुना बढ़ा
मोबाइल फोनों का उत्पादन (रु.)	~0.18 लाख करोड़	~5.5 लाख करोड़	28 गुना बढ़ा
मोबाइल फोनों का निर्यात (रु.)	~0.01 लाख करोड़	~ 2 लाख करोड़	127 गुना बढ़ा

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को और सुदृढ़ और व्यापक बनाने के लिए, सरकार ने अप्रैल 2025 में **इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस)** शुरू की**।** इस योजना का उद्देश्य मूल्य श्रृंखला में निवेश (वैश्विक/घरेलू) को आकर्षित करके मजबूत घटक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। इससे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उद्योग को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं (जीवीसी) के साथ एकीकृत करके घरेलू मूल्यवर्धन (डीवीए) और वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक व्यापार में निर्यात के हिस्से में वृद्धि होगी।

इस योजना को अब तक उद्योग से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। 59,350 करोड़ रुपये के लक्षित निवेश की तुलना में 1.15 लाख करोड़ रुपये के निवेश मूल्य वाली परियोजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं।

अब तक, ईसीएमएस योजना के तहत 11 राज्यों में 46 आवेदनों को मंजूरी दी गई है, जिससे 54,567 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने और 50,794 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

46 स्वीकृत आवेदनों में से 4 आवेदनों ने उत्तर प्रदेश में अपनी विनिर्माण सुविधा का प्रस्ताव दिया है। उत्तर प्रदेश राज्य में अनुमोदित परियोजनाओं की सूची उनके स्थान के साथ **अनुबंध** में दी गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए, एमईआईटीवाई ने उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) में 2 इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर को मंजूरी दी है। ये क्लस्टर तैयार भूमि, उपयोगिताओं और सामान्य सुविधाओं के साथ प्लग-एंड-प्ले विनिर्माण बुनियादी ढांचा प्रदान करते हैं, सेटअप समय को कम करते हैं और उत्पादन दक्षता में वृद्धि करते हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक्स में निवेश को आकर्षित करने के लिए एक सक्षम वातावरण तैयार करेगा।

बजट 2026-27 में ईसीएमएस के लिए परिव्यय बढ़ाकर 40,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

*****

अनुबंध

ईसीएमएस के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	**कम्पनी**	**उत्पाद खंड**	**स्थान**
1	इन्फोपावर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	मल्टी-लेयर पीसीबी	नोएडा, गौतम बुद्ध नगर
2	एसेंट-के सर्किट प्राइवेट लिमिटेड (वाईईआईडीए ईएमसी में स्थित)	एचडीआई/एमएसएपी/लचीला पीसीबी	वाईईआईडीए ईएमसी, गौतम बुद्ध नगर
3	सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड	प्रदर्शन मॉड्यूल सब-असेम्बली	नोएडा, गौतम बुद्ध नगर
4	कुशान क्यू टेक माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	कैमरा मॉड्यूल सब-असेंबली	नोएडा, गौतम बुद्ध नगर

*****